डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

CBC CODE-134222

पृष्ठ संख्या 2

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 05 | अंकः 4 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, शुक्रवार 22 मई, 2026 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

जेसीएस की हम साथ साथ हैं संगीत संध्या में पहली बार एक मंच पर आए 27 म्यूजिकल ग्रुप्स

जयपुर (संस्कार सृजन)

जयपुर कल्चरल सोसाइटी का कार्यक्रम हम साथ साथ हैं सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। संस्था के 40 साल पूरे होने पर यह संगीत संध्या जयपुर के वैशाली नगर स्थित शुभ विलास होटल में आयोजित की गयी। कत्थक गुरु और वरिष्ठ अभिनेत्री ऊषा श्री ने आए हुए सभी कलाकारों को आशीर्वाद दिया। इस कार्यक्रम में एक ही मंच पर 27 ग्रुप्स के फाउंडर, डायरेक्टर और एडमिन के साथ शहर के म्यूजिक लवर्स ने भाग लिया।

जेसीएस अध्यक्ष कंचन आनंद ने बताया कि 60 गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। जयपुर कल्चरल सोसाइटी के संरक्षक के के पारीक, उपाध्यक्ष योगेंद्र सिंह राजोरा और अध्यक्ष कंचन आनंद ने सभी को माला और मेडल पहनाकर सम्मानित किया। टाइटल सॉन्ग हम साथ साथ हैं गीत को सभी ने मिलकर गाया। इस गीत पर जयपुर के होनहार सैक्सोफोन प्लेयर खालिद खान ने सैक्सोफोन बजाकर कार्यक्रम में जोश ला दिया।

15 मिनट की ये प्रस्तुति एक मिसाल बन गई। सभी ने मिलकर गाने गाए,खाना खाया। संस्था का उद्देश्य यही था कि सभी लोग एकता के साथ मिल जुलकर कार्यक्रम आयोजित करें।

उद्घोषक योगेंद्र सिंह राजोरा ने अपनी एन्करिंग से माहौल को खुशनुमा बना दिया। JCS फेमिली के मेंबर आनंद शर्मा और मुकेश मुतरेजा ने कार्यक्रम की व्यवस्था को बनाए रखा। आख़िर में अध्यक्ष कंचन आनंद ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गायक कलाकारों में एनएस मेहता , नीरा राजबंशी , फतह अली, सोनिया शर्मा, मुकेश मुतरेजा, आनंद शर्मा, अभिषेक माथुर, समीर सैन, धर्मेंद्र उपाध्याय, भारत जोशी, राजीव कुमार, मोहित मोहता, प्रणव पारीक, जितेंद्र गहलोत, रुचि मोहता, विल्सन राय, रोहिणी राय, उर्मिला न्याति, एसएन न्याति, उमा श्रीवास्तव, अनुराग सिन्हा, तुलसीदास हरपलानी, अपर्णा बाजपेई, राजेश भटनागर, अजोय कल्ला, अरुणा जैन, चंद्रकला शर्मा, शीला जांगिड़, महेश शर्मा, ब्रजेश कुलश्रेष्ठ , जगदीश सोनी, गिरिराज सिंह, प्रकाश पाठक, रामप्रकाश, ओम प्रकाश सोनी, प्रशंसा श्रीवास्तव, रीतेश श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, प्रतिभा शर्मा, पंकज लीला, मुकेश गुप्ता, एमएल छाबड़ा, अनीता छाबड़ा, कमल जामवाल, रामरतन शर्मा, विजय कुमार सोनी, हंसराज राजोरिया, अरविंद शर्मा, रवींद्र शर्मा, राजकुमार चौपड़ा, पूनम चार्ल्स, नीरज नंद के नाम रहे। वहीं राजदीप सैनी की बेहतरीन फोटोग्राफी रही।

सैनी समाज अधिकारी एवं कर्मचारी विकास संस्था का सेमिनार 28 मई को

जयपुर (संस्कार सृजन)। सैनी समाज अधिकारी एवं कर्मचारी विकास द्वारा सैनी समाज की भावी पीढ़ी के समग्र शैक्षणिक एवं रोजगार विकास के लिए 28 मई 2026 को जयपुर में एक विशाल सेमिनार आयोजित किया जा रहा है।

सेमिनार का आयोजन सेक्टर-03, विद्याधर नगर,जयपुर स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान में प्रातः 08:30 बजे से दोपहर 02:30 बजे तक किया जाएगा।

संस्था के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश सैनी रेलवे और शिक्षा समिति अध्यक्ष सुरेश सैनी NHAI ने बताया कि सेमिनार में देश के बड़े Professional Motivators और Career Experts बच्चों को आधुनिक युग के बदलावों, नई डिग्री, डिप्लोमा और AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बारे में सही दिशा देंगे।

राहुल गांधी का अमर्यादित बयान उनके मानसिक अवसाद और कांग्रेस के पतन का प्रतीक- रामलाल शर्मा

चौमूं (संस्कार सृजन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई अमर्यादित व अभद्र टिप्पणी की कड़े शब्दों में घोर निंदा की है। रामलाल शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र के भीतर पक्ष और विपक्ष का होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लोकतंत्र में अलग-अलग राजनीतिक दल होते हैं और उनकी विचारधाराएं भी भिन्न हो सकती हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत धरना देना, प्रदर्शन करना, नीतियों की आलोचना करना, बयान जारी करना और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपनी बात को जनता के समक्ष रखना हर दल का अधिकार है। परंतु, जब कोई राजनेता अपनी मर्यादाएं लांघकर देश के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने लगे, तो वह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए कहा, 'कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जिस प्रकार देश के माननीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के लिए गद्दार जैसे अत्यंत आपत्तिजनक शब्दों का चयन किया है, उसकी हम घोर निंदा करते है। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी व्यक्ति इस तरह का अमर्यादित और ओछा वक्तव्य तभी दे सकता है, जब वह गहरे मानसिक अवसाद से गुजर रहा हो। बार-बार मिल रही राजनीतिक असफलताओं के कारण विपक्ष अपना मानसिक संतुलन और राजनीतिक मर्यादा पूरी तरह खो चुका है।

शर्मा ने कांग्रेस आलाकमान को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि आज कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से हताश हो चुकी है और उसके नेताओं की भाषा समाज में केवल अराजकता और विभाजन पैदा करने वाली रह गई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को अब अपने नेताओं की इस अमर्यादित भाषा और व्यवहार को सुधारने के लिए उन्हें अच्छे चिकित्सकों को दिखाने की आवश्यकता है।

भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता ने मांग की है कि देश के सर्वोच्च पदों, लोकतांत्रिक गरिमा और 140 करोड़ देशवासियों की भावनाओं को आहत करने वाले इस घृणास्पद बयान के लिए राहुल गांधी को बिना किसी देरी के राष्ट्र से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

उदयवीर सिंह यादव द्वारा mygov क्वीज प्रतियोगिता में अधिकतम प्रमाण पत्र प्राप्त करने का रिकार्ड

जयपुर (संस्कार सृजन)। Mygov क्विज़ प्रतियोगिताओं में अधिकतम प्रमाणपत्र प्राप्त करने का रिकॉर्ड 27 अक्टूबर, 1969 को जन्मे उदयवीर सिंह यादव ने बनाया है, जो जयपुर, राजस्थान के रहने वाले हैं। पूर्व सैनिक उदयवीर सिंह यादव ने भारत सरकार द्वारा आयोजित विभिन्न क्विज़ प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 584 प्रमाण प्राप्त किए हैं, जिनमें से 570 क्विज़ बंद हो चुके हैं और 14 क्विज़ अभी भी सक्रिय हैं। इन क्विज़ प्रतियोगिताओं में राष्ट्रमंडल खेलों की क्विज़, भारतीय शिक्षा दिवस पर ऑनलाइन क्विज़, साइबर सुरक्षा जागरूकता क्विज़, प्रधानमंत्री इंटर्नशिप क्विज़, वंदे मातरम-150 वर्ष क्विज़, आज़ादी क्विज़, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्विज़ 2.0, योग से आयु क्विज़, स्वराज क्विज़, डेटा गोपनीयता क्विज़, जन औषधि क्विज़, सशस्त्र बलों में महिला सशक्तिकरण भागीदारी, आज़ादी का अमृत महोत्सव क्विज़ और कई अन्य शामिल हैं। उदयवीर सिंह यादव के पास चेंज मेकर बैज है और उनके क्विज़ अंक 11,19,750 हैं। उदवीर सिंह यादव ने भारतीय सेना में सेवा की है।

पंडित रविन्द्राचार्य ने दान पुण्य कर मनाया शनि जन्मोत्सव

चौमूं (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतरराष्टीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने आज शनिदेव का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम के साथ मनाया। सर्वप्रथम टांकरड़ा स्थित शनि धाम पहुंचे और शनि देव का मंत्रोच्चार के साथ तेल से अभिषेक किया। इसके बाद जौ, तिल, गुड़ सहित कई वस्तुएं अर्पित की।

पंडित रविन्द्राचार्य ने बताया कि टांकरड़ा स्थित शनि धाम मंदिर वर्षों पुराना है। शनि देव का जन्मोत्सव शनिवार और अमावस्या के दिन है, इसलिए आज दान पुण्य का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सभी लोग सेवा कार्य कर दण्डाधिकारी शनिदेव का जन्म उत्सव बड़े धूमधाम से मनाएँ।

इस दौरान पंडित विकास शर्मा, राहुल शर्मा सहित कई लोग भी मौजूद रहे।

जनसेवक रविकांत शर्मा ने सामोद रोपवे को लेकर हनुमान बेनीवाल को लिखा पत्र

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं विधानसभा के वर्ष 2018 के विधायक प्रत्याशी और जनसेवक रविकांत शर्मा ने रालोपा सुप्रीमो और सांसद हनुमान बेनीवाल को सामोद रोपवे को लेकर पत्र लिखा है।

रविकांत शर्मा ने पत्र में लिखा है कि विपक्ष में रहते हुए तत्कालीन भाजपा विधायक सामोद वीर हनुमान जी मंदिर रोपवे के अटकने पर कांग्रेस को कोसते थे, आज सत्ता के ढाई साल बीत जाने के बाद भी वे पूरी तरह मौन हैं। आखिर चोमू की जनता और श्रद्धालुओं के साथ यह वादाखिलाफ़ी क्यों? बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षित यात्रा और इस गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल को पत्र लिखकर इस जनहित के मुद्दे पर कड़े हस्तक्षेप और जन-आंदोलन की मांग की।

संपादकीय

सोने की खरीद में संयम जरूरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विदेशी मुद्रा भंडार को बचाए रखने के लिए लोगों से सोने की खरीद से बचने, घर से काम करके ईंधन की खपत कम करने और गैर-जरूरी विदेश यात्राओं को टालने जैसे उपाय अपनाने की अपील की है। उन्होंने यह आह्वान मौजूदा वैश्विक अर्थव्यवस्था में आई अस्थिरता को देखते हुए किया है। इस पर चर्चा करने से पहले हमें उन संकेतकों पर नजर डालनी चाहिए, जिनसे पता चलता है कि बीते वर्षों में भारत की आर्थिक सेहत कैसी रही? आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024, 25 और 26 (साल 2025-26) में भारतीय अर्थव्यवस्था ने करीब 7.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। इस दौरान महंगाई दर औसतन चार फीसदी, बैंकों का औसत शुद्ध लाभ 3.8 लाख करोड़ रुपये, वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात की औसत वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत, बेरोजगारी दर 3.1 फीसदी और विदेशी मुद्रा भंडार 691 अरब डॉलर रहे हैं। इस काल-खंड में कुल आयात में पेट्रोलियम और सोने का हिस्सा लगभग 33 फीसदी रहा। इस व्यापक आर्थिक मजबूती के विपरीत, अप्रैल 2025 से अब तक डॉलर के मुकाबले रुपये में 11.2 फीसदी की गिरावट आई है, जबकि दक्षिण-पूर्व एशियाई मुद्राओं में औसतन 5.3 फीसदी की वृद्धि देखी गई है। ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की मुद्राओं में तो औसतन 13.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस अवधि में डॉलर सूचकांक में 5.6 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, एक तथ्य यह भी है कि इस दौरान निवेश पूंजी (पोर्टफोलियो कैपिटल) बाहर जाती रही, जो 1991 के बाद सबसे अधिक है। इस वर्ष जनवरी से अब तक 21.3 अरब डॉलर की राशि बाहर जा चुकी है। साफ है, रुपये के मूल्य में अभी जो गिरावट दिख रही है, उसकी वजह भारत की आर्थिक नीति नहीं है। आरबीआई ने भी अपने हालिया बयान में इसका जिक्र किया है। फिर रुपये में इस गिरावट की वजह क्या है?एक संभावित कारण यह है कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए काफी समय तक रुपये को 'शॉक-एब्जॉर्बर' (झटका सहने वाले औजार) के रूप में इस्तेमाल किया गया। इसका शुरू-शुरू में तो फायदा मिला था, लेकिन एक समय के बाद निर्यात पर इसका असर खत्म हो गया और आयात भी बढ़ने लगा। चूंकि रुपया शॉक-एब्जॉर्बर के रूप में काम कर रहा था, इसलिए बाजार भी इसमें शामिल हो गया। बाजार के खिलाड़ी डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने का दावा कर रहे थे, लिहाजा लगता है कि वह 'सेल्फ-फुलफिलिंग प्रोफेसी' (ऐसी परिस्थिति के बारे में भविष्यवाणी, जो इंसानी व्यवहार में बदलाव के कारण सच हो जाए) सच हो गई, जबकि व्यापक आर्थिक कारक (मैक्रो-फंडामेंटल्स) कुछ और संकेत दे रहे थे। भले ही रुपये की कीमत में गिरावट भारत की 'मैक्रो-फंडामेंटल्स' की सीमाओं से परे है, पर हमें मौजूद विकल्पों पर गौर करना ही चाहिए।सैद्धांतिक रूप से देखें, तो भुगतान संतुलन के मुद्दे को सुलझाने और भारत के आर्थिक कारकों के अनुकूल रुपये की कीमत बनाए रखने के लिए एक व्यापक नीति की जरूरत है। डॉलर के मूल्य में हर एक रुपये की बढ़ोतरी होने पर, भारत की जीडीपी में लगभग 60 अरब डॉलर की गिरावट हो सकती है।अब आइए, प्रधानमंत्री के सुझावों को समझते हैं। सबसे पहले सोने की बात। भारत हरेक साल लगभग 750-800 टन सोना आयात करता है। घरेलू बाजार में स्थानीय सोने की आपूर्ति बेहद कम है। 2024 में घरेलू आपूर्ति का 86 फीसदी सोना आयात किया गया था, जिसके कारण बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च हुई थी। हालांकि, ओडिशा, मध्य प्रदेश व आंध्र प्रदेश में सोने की नई खानों की खोज से आयात पर दबाव कम हो सकता है, जो हमारे चालू खाता में संतुलन के लिए जरूरी है, किंतु इसमें कुछ समय लगेगा। इसलिए, आयात कम करने के लिए सोने की खरीद में संयम बरतना बुरा फैसला नहीं है। केंद्र सरकार ने अब सोने सहित कीमती धातुओं के आयात पर सीमा शुल्क छह फीसदी से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। अब एक दशक पूर्व घोषित स्वर्ण मुद्रीकरण नीति को भी विस्तार देना चाहिए। आरबीआई की 1992 की सिफारिश के अनुसार सोने पर एक राष्ट्रीय नीति बननी चाहिए। इस नीति में व्यापार, अति-शुद्ध कीमती धातुओं के आयात, आभूषण निर्यात, निवेश आदि शामिल किए जाने चाहिए। सोने की कीमतों में वृद्धि का सकारात्मक पक्ष यह है कि 'गोल्ड लोन' में भी उछाल आया है। वित्त वर्ष 2025-2026 के अंत तक यह करीब 7.5 लाख करोड़ रुपये का था। इस तरह के कर्ज विशेषकर छोटे व सीमांत किसानों, बटाईदारों और खेती-बाड़ी के कामों में लगे लोगों के लिए अल्पकालिक कृषि ऋण के प्रमुख स्रोत होते हैं।अब बाहर जाने वाले पैसों की चर्चा।

भगवान गणेश को क्यों चढ़ाई जाती है दूर्वा? राक्षस अनलासुर से जुड़ी है पौराणिक कथा

भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाने की परंपरा के पीछे अनलासुर राक्षस की एक पौराणिक कथा जुड़ी है। यहां जानें आखिर क्यों गणपति बप्पा को दूर्वा बेहद प्रिय मानी जाती है और इसके पीछे का धार्मिक महत्व क्या है? साथ ही जानें गणेश जी को दुर्वा चढ़ान से क्या लाभ मिलते हैं? बुधवार का दिन भगवान गणेश की पूजा को समर्पित होता है। गणपति की पूजा में दूर्वा का विशेष महत्व माना जाता है। लगभग हर गणेश पूजा में लोग भगवान गणेश को दूर्वा जरूर अर्पित करते हैं। हिंदू धर्म में मान्यता है कि दूर्वा चढ़ाने से भगवान गणेश जल्दी प्रसन्न होते हैं और सारी मनोकामनाएं पूरी कर देते हैं। बात करें दूर्वा की तो एक साधारण हरी घास की तरह दिखती है लेकिन पूजा-पाठ में इसे बहुत ही पवित्र और जरूरी माना जाता है। खासकर कि बुधवार, गणेश चतुर्थी और वरदा चतुर्थी जैसे दिनों में इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। आज वरदा चतुर्थी है और ऐसे में जानेंगे कि आखिर गणेश जी को दुर्वा ही क्यों चढ़ाई जाती है?

भगवान गणेश को प्रिय है दूर्वा-माना जाता है कि दूर्वा अर्पित करने से घर में खुशहाली और सुख-शांति बनी रहती है और जिंदगी में आने वाली हर बाधा खत्म होती है। पौराणिक कथा के अनुसार एक बार अनलासुर नाम के राक्षस ने तीनों लोकों में आतंक मचा रखा था। उस दौरान भगवान गणेश ने उसका अंत करने की ठानी और उसे निगल गए। हालांकि इसके बाद उनके पेट में जलन होने लगी थी। कई उपाय किए गए लेकिन उन्हें आराम नहीं मिला। इसके बाद कश्यप ऋषि ने गणेश जी को दूर्वा अर्पित की। दूर्वा चढ़ाते ही उनके शरीर की गर्मी शांत हो गई। तभी से माना जाता है कि भगवान गणेश को दूर्वा बेहद ही प्रिय है।

दूर्वा चढ़ाने से मिलते हैं ये लाभ

1. भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाने से जिंदगी के सारे कष्ट और परेशानियां दूर होने लगती हैं।
2. पूजा में दूर्वा अर्पित करने से घर में सुख-समृद्धि और पॉजिटिव आती है।
3. स्टूडेंट्स को भी भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ानी चाहिए क्योंकि गणेश जी बुद्धि और ज्ञान के देवता हैं।
4. दूर्वा को लेकर ऐसी भी मान्यता है कि नौकरी, बिजनेस या फिर पैसों की समस्या से जूझ रहे लोग इसे भगवान गणेश को अर्पित करें तो उन्हें लाभ जरूर मिलेगा।
5. परिवार में शांति और रिश्तों में मजबूती बनाए रखने के लिए भी भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाना शुभ माना जाता है।

दूर्वा चढ़ाते समय रखें इन बातों का ध्यान-भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाते वक्त कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए। दूर्वा हमेशा साफ और ताजी ही अर्पित करनी चाहिए। पूजा में तीन या पांच गांठ वाली दूर्वा चढ़ाना शुभ माना जाता है। जब भी भगवान गणेश को दूर्वा अर्पित करें तो ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का जाप जरूर करें। सूखी या टूटी हुई दूर्वा भगवान गणेश को नहीं चढ़ानी चाहिए। साथ ही पूजा करते समय मन में श्रद्धा और पॉजिटिव सोच ही रहनी चाहिए।

अमूल्य ज्ञान का बोध

* सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

* अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

* नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

* 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

* 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

* नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

* चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

* सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

* 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

* सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

एसी रूम कहीं चुरा ना ले आपकी स्किन का ग्लो? जानिए कैसे करता है नुकसान

अगर आप लंबे समय तक एसी रूम में रहते हैं तो इससे स्किन की प्राकृतिक नमी धीरे-धीरे कम होने लगती है, क्योंकि ऐसे कमरों की स्किन ज्यादा रूखी होती है। हो सकता है कि लगातार ऐसे रूम में रहने की वजह से आपको स्किन में खिंचाव महसूस हो या फिर होंठों के फटने व डल चेहरे की समस्या का सामना करना पड़े।आज जब भारत दुनिया के सबसे ज्यादा गर्मी वाले देशों में शामिल हो गया है तो लोग गर्मी और तपन से निजात पाने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाने लगे हैं। इन उपायों में एसी का इस्तेमाल करना बेहद ही आम है। अक्सर हम लोग पूरा दिन एसी रूम में बैठना पसंद करते हैं, जिससे बाहर की तपिश का अहसास ही ना हो। हो सकता है कि आप भी पूरा दिन एसी चलाकर बैठती हों।लेकिन क्या आपको पता है कि जरूरत से ज्यादा एसी का इस्तेमाल स्किन के लिए अच्छा नहीं माना जाता। यह आपकी स्किन के ग्लो को चुरा सकता है और उसे डल व बेजान बना सकता है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

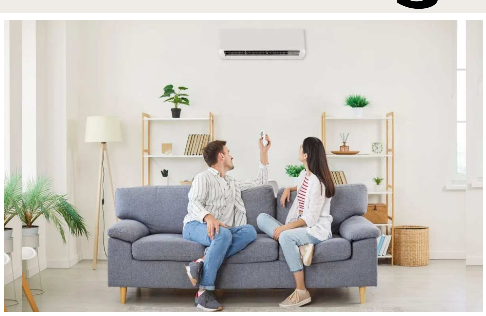

खो जाती है स्किन की नमी-अगर आप लंबे समय तक एसी रूम में रहते हैं तो इससे स्किन की प्राकृतिक नमी धीरे-धीरे कम होने लगती है, क्योंकि ऐसे कमरों की स्किन ज्यादा रूखी होती है। हो सकता है कि लगातार ऐसे रूम में रहने की वजह से आपको स्किन में खिंचाव महसूस हो या फिर होंठों के फटने व डल चेहरे की समस्या का सामना करना पड़े। खासतौर से, अगर आपकी स्किन पहले से ही रूखी या सेंसेटिव है तो ऐसे में आपकी स्किन पर जल्द असर नजर आ सकता है।

स्किन दिखने लगती है बूढ़ी - आपको शायद पता ना हो, लेकिन लगाातर एसी में रहने से आपकी स्किन समय से पहले ही बूढ़ी नजर आ सकती है। दरअसल, जब आप लंबे समय तक एसी में रहते हैं तो इससे आपकी स्किन डिहाइड्रेट होने लगती है। ऐसे में स्किन की टाइटनेस कम होने की वजह से फाइन लाइन्स, रिंकल्स और आंखों के नीचे झुर्रियां नजर आ सकती हैं।

हो सकती है एक्ने की समस्या- आपको शायद पता ना हो, लेकिन एसी आपकी स्किन में एक्ने की समस्या को बढ़ा सकता है। फिर चाहे आपकी स्किन ऑयली ही क्यों ना हो? दरअसल, एसी की वजह से आपकी स्किन बहुत ज्यादा रूखी हो जाती है। ऐसे में स्किन उसकी भरपाई करने के लिए अतिरिक्त तेल बनाना शुरू कर देती है।

जिससे क्लॉग पोर्स, छोने दाने या एक्ने की समस्या बढ़ सकती है। आसान शब्दों में समझा जाए तो एसी की वजह से स्किन पहले सूखती है, फिर तेल ज्यादा बनने लगता है। जिसकी वजह से एक्ने हो जाते हैं।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम का साथ है, संतान का साथ है। व्यापारिक दृष्टिकोण से भी यह सही समय है। अपनों का साथ होगा। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। पीली वस्तु पास रखना शुभ होगा।

वृषभ- खर्च की अधिकता होगी, स्वास्थ्य में सुधार, प्रेम की स्थिति अच्छी है। आय के नए-नए जरिया बनेंगे । कुटुंबों में वृद्धि होगी, शब्द साधक की तरह व्यवहार करेंगे। पराक्रम रंग लाएगा। लाल वस्तु का दान करना शुभ होगा।

मिथुन- सौम्यता के प्रतीक बनेंगे । संतान से समीपता, पिता से दूरी है, सरकारी तंत्र से बिल्कुल पंगेबाजी करने लायक नहीं है, राजनीतिक गलियारों में थोड़ा आपसी दूरी दिख रही है । सिर दर्द, नेत्र पीड़ा हो सकता है। काली जी को प्रणाम करना शुभ होगा।

कर्क- आपकी मानसिक स्थिति बहुत अच्छी है। व्यापारिक स्थिति से सुदृढ़ हो रहे हैं, भाग्य साथ देगा । खर्च की अधिकता रहेगी । आय के नए-नए स्रोत बनेंगे। रुक-रुक करके आगे बढ़ेंगे, मध्य में खर्च की अधिकता मन को परेशान करेगी। आपका कद बढ़ेगा, जो चाहेंगे उस तरीके से होगा।

सिंह- स्वास्थ्य में सुधार , प्रेम-संतान की स्थिति बहुत अच्छी है। भाग्य साथ देगा, यात्रा का योग बनेगा । आय के नए-नए स्रोत बनेंगे, पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। पीली वस्तु पास रखना शुभ होगा।

कन्या- जीवनसाथी से थोड़ी नीरसता हो सकती है । नौकरी की स्थिति बड़ी अच्छी होगी। स्वास्थ्य बहुत अच्छा होगा। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी, पिता का साथ होगा और अंत में आय के नए-नए मार्ग बनेंगे । पीली वस्तु का दान करना शुभ होगा।

तुला- जीवनसाथी के साथ अपनापन रहेगा। क्रोध का सामना करना पड़ रहा है लेकिन चीजें सॉल्व हो रही हैं। स्वास्थ्य ठीक-ठाक। सरकारी तंत्र से पंगेबाजी करना ठीक । पिता के साथ और स्वास्थ्य पर ध्यान दीजिए। यात्रा का योग बनेगा, धार्मिक बने रहेंगे, कोर्ट-कचहरी में भी जीत मिलेगा। पीली वस्तु का दान करना शुभ होगा।

वृश्चिक- स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम होगा। नौकरी-चाकरी में थोड़ी उदासीनता बनी रहेगी। मध्य में चोट-चपेट लगने वाला होगा। अंत में सारी परिस्थितियां अनुकूल हो जाएंगी । भाग्य साथ देगा, हर लिहाज से शुभ होगा। पीली वस्तु पास रखना शुभ होगा।

धनु- स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम संतान अच्छा, व्यापार अच्छा । शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गूढ़ ज्ञान की प्राप्ति होगी, बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा । अंत खराब होने का संकेत है । गणेश जी को प्रणाम करना शुभ होगा।

मकर- स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम में थोड़ी सी खटपट होगी, लेकिन अशुभ नहीं है। जो लोग विद्यार्थी हैं और खासकर रिसर्च स्टूडेंट हैं, उनकी स्थिति बहुत शुभ होगी। मध्य में शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा । काली जी को प्रणाम करना शुभ होगा।

कुंभ- स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से शुभ समय है। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी थोड़ी टल सकती है, लेकिन शुभता बरकरार रहेगी । विद्यार्थियों के लिए अति उत्तम समय। हरी वस्तु पास रखना शुभ होगा।

मीन- स्वास्थ्य पहले से थोड़ा बेहतर है। धीरे-धीरे अच्छे दिनों की तरफ बढ़ रहे हैं। व्यापारिक दृष्टिकोण से आप बहुत अच्छे निर्णय लेते हैं । मध्य में भूमि, भवन, वाहन के खरीदारी के प्रबल योग बनेंगे, घर में कुछ उत्सव संभव है । अंत में भावनाओं पर काबू रखें । पीली वस्तु पास रखना शुभ है।

(कहानी) चींटी और सांप

प्रभाती लाल सैनी

एक समय की बात है एक जंगल में एक सांप रहता था। सांप जंगल के छोटे-मोटे जानवरों जैसे चूहा, मेंढक, छिपकली, गिलहरी, पक्षियों के अंडों को खाकर बहुत बड़ा और मोटा हो गया था। सांप के विशाल आकार के कारण जंगल के बड़े-बड़े जानवर भी उसके पास आने से डरते थे। जंगल के छोटे-छोटे जानवरों ने सांप की शिकायत हाथी और शेर से भी की किंतु शेर और हाथी भी उस विशाल सांप का कुछ नहीं कर सके क्योंकि जब भी वह सांप को समझाने जाते तो सांप अपना विशाल फन लेकर उनके सामने खड़ा हो जाता था । सांप कहीं उसे काट ना ले इसी डर से जंगल का कोई जानवर उसके नजदीक नहीं चाहता था। धीरे-धीरे सांप को यह घमंड हो गया कि जंगल का कोई भी जीव उसका सामना नहीं कर सकता। सांप ने सोचा कि जब जंगल का राजा शेर ही मुझसे डरता है तो क्यों ना मैं भी एक राजा की तरह किसी विशाल घर में रहूं । यह सोच कर सांप एक विशाल बरगद के पेड़ के बिल में रहने लगा।

सांप के आने से डर के कारण बरगद में रहने वाले सभी जीव-जंतु और पक्षी उस पेड़ को छोड़कर चले गए। बरगद के पेड़ के पास ही चीटियों की बांबी थी। सांप जब भी कहीं जाता तो उसे रास्ते में चींटियाँ मिल जाती थी । चींटिया हमेशा अपने काम में व्यस्त रहती थीं और सांप को नमस्कार नहीं करती थी । चीटियों का यह व्यवहार सांप को पसंद नहीं आया । एक दिन वह चीटियों की रानी से बोला , तुम अपनी सेना को समझा देना कि मैं जब भी यहां से गुजरता हूं तो मुझे सर झुका कर नमस्कार करें नहीं तो मैं सभी को मार दूंगा।

सांप की बात चीटियों की रानी को बिल्कुल भी पसंद नहीं आई और उसने सांप की बात मानने से इन्कार कर दिया। सांप ने गुस्से में आकर अपनी पूंछ से चीटियों की बांबी पर प्रहार कर दिया जिससे उनके घर को काफी नुकसान पहुंचा। सांप के इस व्यवहार से सभी चीटियां बहुत अधिक क्रोधित हो गई और उन्होंने एक साथ मिलकर सांप पर हमला कर दिया । चीटियों के काटने से सांप की बहुत बुरी हालत हो गई धीरे-धीरे चीटियों की संख्या बढ़ती जा रही थी और सांप अपने आपको असहाय महसूस करने लगा। आखिरकार चीटियों के हमले से सांप की मौत हो गई और जंगल के जानवरों को उस खतरनाक सांप से मुक्ति मिल गई। इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि कभी भी किसी भी जीव को छोटा समझ कर उस पर अत्याचार नहीं करना चाहिए। एकता में बहुत शक्ति होती है।

NEET री-एग्जाम की तैयारियां हुई तेज, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने की हाईलेवल मीटिंग

नई दिल्ली (संस्कार सृजन)। पेपर लीक विवाद के बाद रद्द हुई NEET UG परीक्षा को दोबारा कराने की तैयारियां तेज हो गई है।

इसी बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को एक हाईलेवल रिव्यू मीटिंग की अध्यक्षता कर परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता का जायजा लिया। इस री-एग्जाम में 23 लाख से ज्यादा छात्र शामिल होंगे, इसलिए सरकार किसी भी तरह की लापरवाही से बचना चाहती है। बैठक में अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों पर सख्त निगरानी, तकनीकी सुरक्षा और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में शिक्षा मंत्री ने साफ कहा कि इस बार परीक्षा पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और कड़ी सुरक्षा के साथ कराई जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पिछली परीक्षा में हुई सभी कमियों की पहचान कर उन्हें तुरंत दूर किया जाए, ताकि दोबारा कोई गड़बड़ी न हो।

शैक्षिक संसाधन- धर्मेंद्र प्रधान ने जोर देकर कहा कि री-NEET परीक्षा सुरक्षित, बिना किसी रुकावट और पूरी तरह फुलप्रूफ तरीके से आयोजित होनी चाहिए। इसके लिए सभी राज्यों के जिला मजिस्ट्रेट (DM) और पुलिस अधीक्षक (SP) के साथ समन्वय बैठक करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, निगरानी, पीने के पानी, ट्रांसपोर्ट और छात्रों की दूसरी जरूरी सुविधाओं का खास ध्यान रखने को कहा गया। परीक्षा प्रक्रिया को और भरोसेमंद बनाने के लिए कई तकनीकी और प्रशासनिक उपायों पर भी चर्चा हुई।

अजय चौहान बने मेघ सेना के प्रदेश सचिव व सोशल मिडिया संयोजक

जालोर (संस्कार सृजन)

मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. डी. के. मेघवाल द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार समाज के प्रति सेवाभाव एवं लगन को देखते हुये अजय चौहान पुत्र नेमाराम निवासी गांव सरदारगढ, पोस्ट सामतीपुरा, तहसील जालोर, जिला जालोर को मेघ सेना राजस्थान प्रदेश इकाई में राजस्थान प्रदेश सचिव व सोशल मिडिया संयोजक नियुक्त किया गया है। अजय चौहान ने मेघ सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. डी. के.मेघवाल एवं संगठन के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। अजय चौहान मेघ सेना के राजस्थान प्रदेश सचिव व सोशल मिडिया संयोजक बनने पर जिला जालोर एव राजस्थान प्रदेश मे मेघवाल समाज में खुशी की लहर फैली हुई है।

फ़िल्म जयपुर पुलिस का प्रीमियर शो रहा हाउसफुल, राजमंदिर सिनेमा में उमड़ा दर्शकों का उत्साह

जयपुर (संस्कार सृजन)

बहुप्रतीक्षित फ़िल्म 'जयपुर पुलिस' का भव्य प्रीमियर शो राजमंदिर सिनेमा, जयपुर में आयोजित किया गया, जहाँ दर्शकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शो पूरी तरह हाउसफुल रहा और बड़ी संख्या में दर्शकों ने उपस्थित होकर फ़िल्म को भरपूर प्यार दिया।

फ़िल्म की कहानी, दमदार प्रस्तुति और राजस्थानी संस्कृति से जुड़े भावनात्मक पहलुओं ने दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रीमियर के दौरान सिनेमा हॉल तालियों और उत्साह से गूंज उठा।

दर्शकों ने फ़िल्म की टीम की सराहना करते हुए इसे राजस्थानी सिनेमा के लिए एक शानदार प्रयास बताया।

इस खास अवसर पर फ़िल्म की पूरी टीम, कलाकारों में हर्षित माथुर, दीपेंद्र सिंह, योगिता, अल्ताफ हुसैन, राजीव महर्षि, वीर सिंह, डॉ.अजय सक्सेना, संगीता सिंह,अभिषेक शर्मा, ज्योत्सना, संतोष कवर, त्रिलोक, मानस आलोक, सेलिना पिया, असिस्टेंट डायरेक्टर आबिद खान, डी ओ पी अनुज, एडिटर संजीव कुंतल, गीतकार रफीक, मेकअप असलम मौजूद रहे।

विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर योगेश दाधीच, विज्ञान भारती सचिव मिग्रेंद, राजपूत महासभा महामंत्री धीर सिंह, राजस्थानी सिनेमा से दिग्गज कलाकार श्रवण सागर, निर्माता निर्देशक राजेंद्र गुप्ता, आर एफ एफ फाउंडर संजना शर्मा, रफि फाउंडर सोमेंद्र हर्ष, सुरेश मुद्गल, नीरज खंडेलवाल, धनराज दाधीच, अनिल भूप, लखविंदर, मनोज फोगाट, एन के मित्तल, अनिल जैन, अनिल सैनी, उग्रसेन तंवर समेत कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

फ़िल्म के लेखक निर्देशक मोहसिन खान ने सभी अतिथियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दर्शकों के यह प्रेम और समर्थन उनके लिए सबसे बड़ी प्रेरणा है। फ़िल्म 'जयपुर पुलिस' सामाजिक संदेश, रोमांच और भावनाओं से भरपूर एक ऐसी प्रस्तुति है, जो दर्शकों को अंत तक बांधे रखती है। प्रीमियर शो की सफलता के बाद फ़िल्म को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

देश में गर्मी अपने पीक पर

राजस्थान,एमपी-यूपी में अगले 7 दिन सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी: तापमान 45 डिग्री से ऊपर रहेगा, बारिश के भी आसार नहीं

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश में गर्मी अपने पीक पर है। मौसम एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले एक हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। इस दौरान इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा रहेगा। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस कमजोर होने और कोई एक्टिव वेदर सिस्टम नहीं होने की वजह से बारिश की कोई संभावना नहीं है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब और महाराष्ट्र के 22 शहरों में तामपान 45 डिग्री से ज्यादा रहा। यूपी के 22 जिलों में पारा 40 डिग्री या इससे उपर दर्ज हुआ।

UP का बांदा 48.2°C के साथ मंगलवार को लगातार तीसरे दिन देश में सबसे गर्म रहा।यहां बीते दो दिन भी तापमान 46°C से ज्यादा रहा। बांदा में 15 मई 2022 को तापमान 49°C का रिकॉर्ड बना था। दिल्ली में चौथा हीटवेव डे- दिल्ली में मंगलवार को इस साल का चौथा हीटवेव डे दर्ज किया गया। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 45.1°C रहा, जबकि रिज इलाका 46.5°C के साथ सबसे गर्म रहा।

राजस्थान में गर्मी और लू का असर तेज हो गया है। सिरोही को छोड़कर राज्य के सभी जिलों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। उत्तर-पश्चिम के जिले में हीटवेव का सबसे ज्यादा असर रहा। रातें भी गर्म होने लगी हैं। मंगलवार को जयपुर में बाड़मेर, जैसलमेर से भी ज्यादा गर्म रात हो रही है।यहां रात का न्यूनतम तापमान 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, जयपुर, कोटा संभाग के जिलों में भी जबरदस्त गर्मी रही। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन इसी तरह की गर्मी और हीटवेव का दौर जारी रहने की संभावना जताई है।

20 मई (बुधवार) को दो जिलों में हीटवेव का ऑरेंज और 14 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक बाहर निकलने से बचना चाहिए।

जागृति संस्थान के सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम प्रशिक्षण का हुआ समापन

विराटनगर (संस्कार सृजन)

ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जागृति संस्थान द्वारा नाबार्ड के सहयोग से स्थापित पुष्कर किसान समृद्धि प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड में आयोजित 15 दिवसीय सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम (MEDP) प्रशिक्षण का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 मई से 18 मई 2026 तक आयोजित किया गया, जिसमें कुल 30 ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को कौशल विकास, स्वरोजगार एवं सूक्ष्म उद्यमिता से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को आंवला एवं गुलाब आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आंवला कैंडी, मुरब्बा, जूस, गुलकंद, गुलाब शरबत एवं अन्य उत्पादों के निर्माण का

व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही गुणवत्ता नियंत्रण, पैकेजिंग, ब्रांडिंग, विपणन, उद्यम प्रबंधन एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर नाबार्ड अजमेर की जिला विकास प्रबंधक रुबीना बानो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय संसाधनों आधारित उद्यमों से जोड़ना समय की आवश्यकता है तथा MEDP जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जागृति संस्थान के प्रतिनिधि मनीष मिटावा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण नाबार्ड के सहयोग से और पुष्कर किसान एफपीओ योजना के अंतर्गत गठित किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण केंद्र पर महिलाओं को आधुनिक मशीनों एवं व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया, जिससे प्रतिभागियों में उद्यमिता के प्रति आत्मविश्वास विकसित हुआ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक के रूप में सेठू रावत एवं भगवान सिंह ने तकनीकी एवं व्यवसायिक प्रशिक्षण प्रदान किया। समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया, जिसे उपस्थित अतिथियों ने सराहा। जागृति संस्थान का यह प्रयास ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर, उद्यमी एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायी एवं सराहनीय पहल के रूप में देखा जा रहा है।

प्रसंग वशिष्ठ चेरिटेबल ट्रस्ट ने आयोजित किया NGOs कॉन्क्लेव

जयपुर (संस्कार सृजन)। जयपुर के इतिहास में पहली बार NGOs का कॉन्क्लेव हुआ। जिसका उद्देश्य ग्रास रूट NGOs को एक मंच उपलब्ध करवाना था। जिसमें अनेकों NGOs ने भाग लिया। NGOs की समस्याओं और समाधान पर चर्चा की गई। पैनल डिस्कशन किए गए जिसमें विद्वजनों ने अपने विचार ही व्यक्त नहीं किए वरन मार्गदर्शन भी किया। किस प्रकार डॉक्यूमेंट्स बनाए जाएं। डोनर्स को किस प्रकार एप्रोच किया जाए। किस प्रकार सहयोग और सहकार्यता से दो या अधिक NGOs समाज के उत्थान के लिए काम कर सकते हैं। साथ ही NGOs किस प्रकार लीगल और वित्तीय मामलों को डील करें बताया गया।

कॉन्क्लेव का आयोजन प्रसंग वशिष्ठ चेरिटेबल ट्रस्ट, ऑनर टिल फाउंडेशन और नोवा टेरा फेडरेशन और इनके हेल्थ पार्टनर सी के बिरला हॉस्पिटल के सहयोग से संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि रिटायर्ड जस्टिस जे के राका थे और गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. अमला बत्रा ने कॉन्क्लेव के उद्देश्य की प्रशंसा की।

प्रसंग वशिष्ठ चेरिटेबल ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी रेणु वशिष्ठ ने दिए सदी के महा संदेश सत्य से प्रेम, प्रेम से कर्म करें के पोस्टर का विमोचन भी कॉनक्लेव में हुआ। डॉ. गीता पारीक संस्थापक ऑनर टिल फाउंडेशन ने, ईमानदारी का गल्ला और मुझे भी कुछ कहना है प्रोजेक्ट्स के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। नोवा टेरा फेडरेशन की डायरेक्टर मयूरी जोशी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। सत्यमेव जयते के उदघोष के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

किराएदार ने 50 साल बाद स्वेच्छा से सौंपी दुकान मालिक को चाबी, दिया ईमानदारी का परिचय

जयपुर (संस्कार सृजन)

चौमूं शहर के बावड़ी गेट स्थित जाकिर आयरन स्टोर के नाम से 50 साल से एक दुकान चल रही थी, जिसका दुकान मालिक भंवर सिंह राठौड़ था। भंवर सिंह ने ही यह दुकान 1980 के आसपास इसाक लोहार को किराए पर दी थी। इसके बाद दुकान का वाद न्यायालय में भी चल रहा था, लेकिन किराएदार इसाक लोहार ने समझदारी का परिचय देते हुए लिखित राजीनामा कर के दुकान मालिक को दे दी। दुकान को इसाक लोहार के भाई और उनके बेटे सँभालते थे।

भंवर सिंह राठौड़ ने जब इसाक लोहार, शहजाद लोहार को दुकान खाली करने के लिए कहा तो उन्होंने बिना किसी संकोच के दुकान खाली करके ईमानदारी का परिचय दिया और राजीनामा की कार्यवाही करके दुकान और दुकान की चाबी भंवर सिंह राठौड़ को संभाला दी।

किराएदार इसाक लुहार ने कहा कि इस्लाम धर्म में साफ-साफ लिखा है कि किसी की अमानत पर कब्जा करना हराम है और हम इस्लाम धर्म के नियम का पालन करते हैं। इसी प्रकार शहजाद लोहार ने कहा कि मैं काफी समय से ही दुकान मकान मालिक को वापस देने के लिए प्रयासरत था और आज वह दिन आ गया। किसी की अमानत पर कब्जा करना गैर इस्लाम है। इसलिए हमें हमेशा ईमान पर चलना चाहिए।

मकान मालिक भंवर सिंह राठौड़ और उनके पुत्र पूर्व पार्षद विक्रम सिंह ने किराएदार इसाक लोहार और उनके भाई इकरामुद्दीन और शहजाद लोहार सहित अन्य समाज के लोगों का स्वागत किया। माल्यार्पण करके मुंह मीठा करवाया।

विक्रम सिंह जोधा ने इस अवसर पर कहा कि यह एक नजीर है जो पूरे भारत में जाएगी। किसी वर्ग विशेष को गलत नहीं समझना चाहिए। यह मुसलमान होकर भी एक हिंदू की दुकान खाली की, जो की एक ऐसा उदाहरण है जिससे भाईचारा भी बढ़ता है और ईमानदारी का भी परिचय दिया गया है। मैं तो यही कहूंगा किसी को भी किसी प्रकार से ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए जिसका हक है उसे लौटा देना चाहिए।

इस अवसर पर रफीक लोहार, पप्पू लोहार, कमरुद्दीन, बदरुद्दीन, नासिर, युवराज सिंह ,कनिष्क सिंह, विजय सिंह, मुकद्दर लुहार, सुरेश विजय ,मोहन नरवानी ,सिकंदर खान, एहसान खान, आलम अली, आदित्य मीणा सहित संपूर्ण व्यापार मंडल के लोग एकत्रित थे।

सचखंड एक्सप्रेस मानवता की सेवा और निष्काम का प्रतीक- डॉ. सुरेश चंद शर्मा

जयपुर (संस्कार सृजन)

सर्व समाज जागृति संघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने कहा की सभी सनातन प्रेमियों, कथा वाचको, धर्म गुरु, अनेक सामाजिक संगठन जो की जनता की सेवा में लगे हुए हैं, उन्हें सिख समुदाय द्वारा एक ऐसी सेवा की जाती है जिसका ना कोई पोस्टर, ना कोई इनफ्लुएंस ना ही कोई फोटो खिंचवाने का प्रचार करता है सिख समुदाय 25 वर्षों से अधिक समय से सेवा कर रहा है। सचखंड एक्सप्रेस भारत की एकमात्र ट्रेन है जिसमें यात्रा करने वाले किसी भी यात्री चाहे जनरल क्लास में हो या एसी में किसी को भी भूखा नहीं सोने दिया जाता है। यह ट्रेन संख्या 12715/ 12716 महाराष्ट्र के हजूर साहिब नांदेड़ से पंजाब के अमृतसर तक चलती है, जिसकी दूरी लगभग 2100 किलोमीटर है एवं 33 घंटे में पूरी करती है।

इस ट्रेन में सिख समुदाय के गुरुद्वारों में शुद्ध भोजन पकाया जाता है और उसे सिख समुदाय के स्वयंसेवक द्वारा गर्म जोशीभरी मुस्कान के साथ सभी को समान रूप से सम्मान के साथ अपनी-अपनी सीटों पर भोजन परोसा जाता है। इसके लिए इन्होंने 6 स्थान निश्चित कर रखे हैं,जहां पर ट्रेन को भी कुछ समय के लिए रोका जाता है। दिल्ली, भोपाल, परभनी, जालना, औरंगाबाद, मराठवाड़ा सहित पूरे सफर के दौरान मुफ्त भोजन परोसा जाता है। सुबह के नाश्ते में खिचड़ी, पराठे, चाय, दोपहर के भोजन में दाल, रोटी, चावल, कढ़ी, सब्जी और रात के खाने में दाल, चावल, पूरी, छोले निःशुल्क परोसा जाता है।

इसके लिए सभी श्रेणियां यात्रियों को अपने बर्तन लाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इससे स्वच्छता बनाए रखने एवं वैसे भी सेवा सुचारु संचालन में मदद मिलती है।

डॉक्टर सुरेश चंद शर्मा ने सिख समुदाय के गुरुद्वारों और सेवादार को सर झुकाकर कोटि-कोटि नमन किया है। कहा कि दूसरे समुदाय को भी इनसे कुछ सीख लेनी चाहिए, विशेष कर हिंदू धर्म गुरुओं, सामाजिक संगठनों को लेकिन यहां तो हर कोई संगठन हर एक निवाला का प्रसार प्रचार करने में लगा हुआ है।

भारत-भूटान शांति सम्मेलन में सम्मिलित होंगे रामचंद्र यादव

जयपुर (संस्कार सृजन)। अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा 21 जून को भूटान की राजधानी थिंपू में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत-भूटान शांति सम्मेलन एवं भारत भूटान शांति रत्न अवार्ड समारोह का ऐतिहासिक आयोजन किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से चयनित विशिष्ट प्रतिभाएं, समाजसेवी, शिक्षाविद, विधि विशेषज्ञ, उद्योगपति एवं गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे, जो वैश्विक शांति भारत भूटान संबंध सांस्कृतिक विरासत एवं मानव मूल्य पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इसमें 25 देशों की नैतिक सहभागिता एवं समर्थन का विशेष समावेश किया गया है।

भारत-भूटान का नैतिक, सांस्कृतिक समन्वय स्थापित करने के लिए भारतीय प्रतिनिधि मंडल भी शामिल होगा। भारतीय प्रतिनिधि मंडल में चौमूं क्षेत्र के धिनोई निवासी, नई ढाणी दुग्ध समिति के सचिव और पशुधन सहायक रामचंद्र यादव शामिल होंगे।

गौरतलब है कि यादव को हाल ही में नेपाल देश के उपराष्ट्रपति द्वारा नेपाल की राजधानी काठमांडू में एशिया कॉन्टिनेंट अवार्ड 2025 से नवाजा गया था।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित। उपसंपादक- रजनीश सैनी